कक्षा 5

नाम : ....

कक्षा : ....

वर्ग : ....

समर्थ

पाठ्यपुस्तक – भाग 1

LEAD

Head Office
Unit #401, B Wing, Business Square,
Andheri Kurla Road, Chakala,
Andheri East, Mumbai - 400093, India

अभिभावकों के लिए आवश्यक बिंदु

भाषा एक ऐसा माध्यम है, जिसका उपयोग हम अपने भावों को व्यक्त करने और दूसरों के साथ संवाद करने के लिए करते हैं। इसके द्वारा हम अपने आस-पास की दुनिया के बारे में सोचते हैं, इसके अनुसार कार्य करते हैं और इससे जुड़ते हैं। इस प्रकार विद्यार्थियों में भाषा के सभी कौशलों को विकसित करने में, लीड द्वारा निर्मित 'संपूर्ण हिंदी' पाठ्यक्रम एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें रचनात्मक, रुचिकर और ज्ञानवर्धक विषय-वस्तुओं को सम्मिलित किया गया है। इसके प्रमुख अवयव इस प्रकार हैं—

उच्चारण | **शब्द-संसार** | **सुनकर और पढ़कर समझिए** | **भाषा की बात** | **मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति**

इन्हीं अवयवों की सहायता से विद्यार्थी वर्णमाला के स्वरों और व्यंजनों की ध्वनियों को समझकर उनका शुद्ध उच्चारण करते हैं, अपने शब्द-भंडार का संवर्धन करके उनका प्रभावी प्रयोग करने में सक्षम बनते हैं, मूल पाठ की विषय-वस्तु को सुनकर और पढ़कर समझते हैं। साथ ही, वे भाषा से संबंधित व्याकरण-नियमों के अनुसार अपने विचारों को बोलकर और लिखकर अभिव्यक्त करते हैं।

संपूर्ण हिंदी कार्यक्रम एक अनूठा कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा-कौशल, सामान्य जागरूकता और नैतिक ज्ञान का विकास करना है, जैसे—

भाषा-कौशल

भाषा सिखाने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए भाषा के अवयवों का प्रयोग किया जाता है, जैसे— उच्चारण, शब्द-संसार, भाषा की बात, मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति।

सामान्य जागरूकता

संपूर्ण हिंदी पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों में सामाजिक और व्यवहारिक कौशल का विकास करने के लिए सामान्य जागरूकता के भाव को भी विकसित किया गया है।

नैतिक ज्ञान

संपूर्ण हिंदी पाठ्यक्रम चरित्र-निर्माण और जीवन-मूल्यों के साथ संपूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण पर केंद्रित है, जिसमें विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु नैतिक ज्ञान को आधार बनाया गया है।

LEAD

वार्षिक पाठ-योजना

भाग 1	इकाई का नाम	विषय-सूची	इकाई
	देश की शान विद्यार्थी देश के महान विचारकों और महापुरुषों के कार्यों से प्रेरणा पाएँगे। साथ ही भाववाचक संज्ञा की अवधारणा समझते हुए जीवन-परिचय लिखने में सक्षम होंगे।	1. बढ़े चलो (कविता) 2. सर्वपल्ली राधाकृष्ण (लेख) 3. एकाग्रता और अभ्यास (कहानी)	1
	प्रेरक कथाएँ विद्यार्थी प्रेरणाप्रद कहानियों से मिली प्रेरणा को अपने जीवन में अपनाएँगे। साथ ही लिंग, वचन, की अवधारणा को दोहराते हुए अनुच्छेद-लेखन करने में सक्षम होंगे।	1. दो हंसों की कहानी (कहानी) 2. हरे घोड़े की कहानी (कहानी)	2
	जीवन से जुड़े पल विद्यार्थी अपने परिवेश के साथ जुड़ाव और समन्वय को समझ सकेंगे। साथ ही शब्द-संसार के विषयों के अभ्यास को दोहराते हुए औपचारिक पत्र-लेखन करने में सक्षम होंगे।	1. ये पल जाते यही ठहर (कविता) 2. दो गौरैया (कहानी) 3. जादुई बरतन (कहानी)	3
	आत्मविश्वास विद्यार्थी विशेष व्यक्तियों के जीवन से प्रेरित होकर अपने अंदर भी आत्मविश्वास जगा पाएँगे। साथ ही मुहावरे की अवधारणा को समझते हुए संवाद-लेखन करने में सक्षम होंगे।	1. सयानी नानी (कविता) 2. दीपा से भेंट (भेंटवार्ता)	4

भाग 2	इकाई का नाम	विषय-सूची	इकाई
	प्रयास और प्रगति विद्यार्थी विज्ञान और तकनीक के सदुपयोग को समझ सकेंगे। साथ ही विकारी-अविकारी शब्दों की अवधारणा समझते हुए अनौपचारिक पत्र-लेखन करने में सक्षम होंगे।	1. विज्ञान और प्रगति (कविता) 2. विज्ञान क्या है? (नाटक) 3. शिक्षा की आत्मकथा (आत्मकथा)	5
	अनुशासन, श्रम और आत्मबल विद्यार्थी अपने जीवन में अनुशासन, श्रम और आत्मबल जैसे मूल्यों को अपनाएँगे। साथ ही विराम-चिह्नों की अवधारणा को समझते हुए डायरी-लेखन करने में सक्षम होंगे।	1. चींटी का अनुशासन (कविता) 2. जीवन का मूलमंत्र (कहानी)	6
	हमारी कल्पना विद्यार्थी अपनी कल्पना-शक्ति के आधार पर अपने विचारों को श्रेष्ठ बनाने में सक्षम होंगे। साथ ही अशुद्धि-शोधन की अवधारणा को समझते हुए कहानी-लेखन करने में सक्षम होंगे।	1. कदंब का पेड़ (कविता) 2. स्नो व्हाइट और सात बौनों की कहानी (कहानी) 3. अंतरिक्ष में भारतीय यात्री (लेख)	7

LEAD

समर्थ - भाग 1

विषय-तालिका | पृष्ठ संख्या

वार्षिक पाठ-योजना 03

इकाई 1 05

देश की शान

इकाई 2 23

प्रेरक कथाएँ

इकाई 3 40

जीवन से जुड़े पल

इकाई 4 62

आत्मविश्वास

'संपूर्ण हिंदी' में रचनात्मक, रुचिकर और ज्ञानवर्धक विषय-वस्तुओं को सम्मिलित किया गया है, जो विद्यार्थियों में निरंतर पढ़ने और सीखने के प्रति उत्सुकता बनाए रखती है।

लीड में हमारा दृष्टिकोण उन महत्वपूर्ण कौशलों की पहचान करना है, जिससे विद्यार्थियों में हिंदी भाषा को सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने की क्षमता का विकास हो।

नोट— मूल्यांकन के लिए प्रश्न-पत्र में कार्यपुस्तिका के प्रश्नों के अतिरिक्त पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न भी पूछे जाएँगे।